CBSE Class 9 Hindi SA 1 Sample Paper

संकलित परीक्षा -1

विषय-हिन्दी (पाठ्यक्रम-अ) **कक्षा :9 वीं**

समय:3 घंटे **पूर्णांक -90**

निर्देश: (1) प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- ‘क ‘, ख,ग और घ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड- क

(1) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रशनों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए : 1x5=5

शिक्षा और खेलकूद एक-दूसरे से घनिष्ठ रूप से संबंधित है। ‘काया राखे धर्म है’ कथन के अनुसार जीवन के सभी धर्मों की साधना शरीर से ही होती है यदि शरीर ही स्वस्थ न हो, तो शिक्षा कैसे ग्रहण कैसे की जा सकेगी और यदि शरीर गँवाकर शिक्षा ग्रहण कर भी ली, तो उस ज्ञान का क्या होगा? उस शरीर के काम तो उसका ज्ञानार्जन नहीं आ सकेगा। अत: खेलों का शिक्षा के क्षेत्र में पर्याप्त महत्त्व है खेलों के द्वारा भी अनेक प्रकार की शिक्षा मिलती है। शारीरिक विकास, मानसिक विकास,सहयोगी भावना, सामूहिक विकास, त्याग भावना,उदारता,सहनशीलता आदि मानवीय गुणों का विकास करने में खेलकूद एक मत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन महान गुणों को हम खेल-ही- खेल में अपने जीवन में उतार लेते हैं। नीरस ज्ञान के उपदेश इन्हें ग्रहण कराने में उतने सफल नहीं होते। इस प्रकार हम देखते हैं कि शिक्षा और खेल एक- दूसरे के पूरक हैं।

(i) जीवन के सभी धर्मों की साधना किसके माध्यम से होती है?

(क) शरीर के (ख) खेल-कूद के

(ग) शिक्षा के (घ) स्वास्थ्य के

(ii) खेलों का किस क्षेत्र में पर्याप्त महत्त्व है?

(क) ज्ञान के (ख) शिक्षा के

(ग) विज्ञान के (घ) विकास के

(iii) मानवीय गुणों के विकास में किसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका है?

(क) शिक्षा की (ख) वार्तालाप की

(ग) खेल-कूद की (घ) आचार-विचार की

(iv) लेखक ने किसे नीरस कहा है?

(क) जीवन को (ख) खेल-कूद को

(ग) मनुष्य को (घ) ज्ञान को

(v) 'उदारता' शब्द संज्ञा के भेद के आधार पर किस प्रकार की संज्ञा है?

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा (ख) भाववाचक संज्ञा

(ग) जातिवाचक (घ) समूहवाचक संज्ञा

(2) निम्नांकित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रशनों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए : 1x5=5

हँसी शरीर के स्वास्थ्य का शुभ संवाद देने वाली है। वह एक साथ ही शरीर और मन को प्रसन्न करती है। पाचन-शक्ति बढ़ाती है, रक्त को चलाती है और अधिक पसीना लाती है। हँसी एक शक्तिशाली दवा है। डॉ0 ह्यूड के अनुसार आनंद से बढ़कर बहुमूल्य वस्तु मनुष्य के पास और नहीं है। कारलाइल के मतानुसार जो जी से हँसता है वह कभी बुरा नहीं होता। जी से हँसो, तुम्हें अच्छा लगेगा। अपने मित्र को हँसाओ, वह अधिक प्रसन्न होगा। शत्रु को हँसाओ, तुम से कम घृणा करेगा एक अनजान को हँसाओ, तुम पर भरोसा करेगा। उदास को हँसाओ, उसका दुख घटेगा। एक निराश को हँसाओ, उसकी आशा बढ़ेगी। एक बूढ़े को हँसाओ, वह अपने को जवान समझने लगेगा। एक बालक को हँसाओ, उसके स्वास्थ्य में वृद्धि होगी। हँसी सबको भली लगती है। जो मनुष्य हँसते नहीं, उनसे ईश्वर बचावे। प्रसन्न लोग कोई बुरी बात नहीं कहते। हँसी बैर और बदनामी की शत्रु है और भलाई की सखी है। जहाँ तक बने, हँसी से आनंद प्राप्त करो।

(i) हँसी अच्छे स्वास्थ्य की संवाद है क्योंकि उससे -

(क) मन में खुशी बनी रहती है। (ख) मनुष्य चुस्त रहता है।

(ग) मनुष्य हास - परिहास में व्यस्त रहता है। (घ) एक साथ शरीर और मन दोनों प्रसन्न रहते हैं।

(ii) हँसी एक शक्तिशाली दवा होती है क्योंकि उससे -

(क) शरीर में हल्कापन रहता है (ख) मन प्रसन्न बना रहता है

(ग) पाचन-शक्ति में वृद्धि के साथ स्वेद प्रक्रिया दुरुस्त रहती है

(घ) शरीर और मन दोनों शांत रहते हैं

(iii) कारलाइल के अनुसार वह बुरा नहीं होता जो -

(क) कभी नहीं हँसता (ख) हर बात पर हँसता रहता है

(ग) जी से हँसता है (घ) मित्र के साथ ही हँसता-बोलता है

(iv) हँसी किसकी सखी?

(क) बद और बदनामी की (ख) भलाई की

(ग) मनुष्य की (घ) विनोद की

(v) मित्र, शत्रु, अनजान, निराश एवं बूढ़े आदि सभी मनुष्यों पर हँसी का प्रभाव होता है -

(क) शुभ और स्वास्थ्यवर्धक (ख) सकारात्मक

(ग) नकारात्मक (घ) रक्तवर्धक

(3) अधोलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रशनों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए : 1x5=5

पथ भूल न जाना पथिक कहीं
पथ में काँटे तो होंगे ही
दूर्वादल सरिता सर होंगे।
सुंदर गिरि वन वापी होंगे
सुंदरता की मृगतृष्णा में
पथ भूल न जाना पथिक कहीं॥
जब कठिन कर्म पगडंडी पर
राही का मनुन्मुख होगा।
जब सपने सब मिट जाएँगे।
कर्तव्य मार्ग सन्मुख होगा।
तब अपनी प्रथम विफलता में
पथ भूल न जाना पथिक कहीं।

(i) पथिक क्यों भटक सकता है?

(क) जानकारी के अभाव में (ख) सुंदरता के आकर्षण में

(ग) थकान के कारण (घ) जंगल के घनेपन के कारण

(ii) जंगली मार्ग में काँटों के साथ- साथ और क्या होता है?

(क) पत्थर (ख) पशु-पक्षी

(ग) वन एवं जलाशय पूर्ण सुंदर दृश्य (घ) हरीतिमा

(iii) " कर्म-पगडंडी" किसे कहा गया है?

(क) जीवन की उलझनों को (ख) जीवन की मुश्किलों को

(ग) जीवन की कठोर साधना को (घ) जीवन की सुविधाओं को

(iv) 'कठिन कर्म पगडंडी' में अलंकार है -

(क) अनुप्रास (ख) रूपक

(ग) उपमा (घ) श्लेष

(v) "प्रथम विफलता" का भाव है -

(क) पहली सफलता (ख) पहली बार ही संतुष्ट हो जाना

(ग) पहले - पहल काम न बनना (घ) पहले - पहल चकित हो जाना

(4) नीचे लिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए : 1x5=5

पक्षी और बादल
ये भगवान के डाकिए हैं
जो एक महादेश से
दूसरे महादेश को जाते हैं।
हम तो समझ नहीं पाते हैं
मगर उनकी लाई चिट्ठियाँ
पेड़, पौधे, पानी और पहाड़
बाँचते हैं।
हम तो केवल यह आँकते हैं
कि एक देश की धरती

दूसरे देश को सुगंध भेजती है।

(i) भगवान के डाकिए कौन है?

(क) पर्वत और झरने (ख) पक्षी और बादल

(ग) पेड़ और पौधे (घ) पानी और हवा

(ii) भगवान के डाकिए कहाँ से कहाँ तक जाते हैं?

(क) एक महादेश से दूसरे महादेश (ख) एक नगर से दूसरे नगर

(ग) एक गाँव से दूसरे गाँव (घ) एक पेड़ से दूसरे पेड़

(iii) प्रकृति को किस रूप में प्रस्तुत किया गया है?

(क) दुल्हन (ख) आनंद

(ग) संदेशवाहक (घ) मेहमान

(iv) एक देश की धरती दूसरे देश को क्या भेजती है?

(क) मिट्टी (ख) फूल

(ग) सुगंध (घ) उपहार

(v) 'डाकिया' शब्द में 'इया' क्या है?

(क) उपसर्ग (ख) प्रत्यय

(ग) मूल शब्द (घ) अन्य

(5) निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1x4=4

(क) 'उप' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए।

(ख) 'सुकर्म' में कौन-सा 'उपसर्ग' है?

(ग) 'पन' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

(घ) 'सांसारिक' शब्द में प्रयुक्त मूल शब्द और प्रत्यय लिखिए।

(6) निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1x3=3

(क) 'वेद-पुराण' का समास विग्रह कीजिए तथा समास का नाम बताइए।

(ख) किस समास में पूर्व पद संख्यावाची विशेषण होता है?

(ग) निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम भी लिखिए : 1

साधु ने 'अमृत के समान वचन' बोले।

(7) (i) अर्थ के आधार पर वाक्य - भेद बताइए : 1x2=2

(क) जनता ने नेताजी का स्वागत किया।

(ख) क्या स्कूल में आज छुट्टी है?

(ii) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए : 1x2=2

(क) सालिम ने उसका काम नहीं किया। (संदेहवाचक)

(ख) अलीशा गीत गा रही है। (विस्मयवाचक)

(8) निम्नलिखित पंक्तियों में अलंकार बताइए : 1x4=4

(क) कहती हुई यों उत्तरा के, नेत्र जल से भर गए।
हिम के कणों से पूर्ण मानो, हो गए पंकज नए॥

(ख) मुदित महीपति मंदिर आए।

(ग) सूरदास अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।

(घ) पायो जी मैंने राम रतन धन पायो।

(9) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनिए : 1x5=5

दोनों आमने-सामने या आस-पास बैठे हुए एक-दूसरे से मूक भाषा में विचार - विमर्श करते थे। एक-दूसरे के मन की बात कैसे समझ जाते थे, हम नहीं कह सकते। अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है। दोनों एक-दूसरे को चाटकर और सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते थे, कभी-कभी दोनों सींग भी मिला लिया करते थे - विग्रह के नाते से नहीं, केवल विनोद के भाव से, आत्मीयता के भाव से, जैसे दोस्तों में घनिष्ठता होते ही धौल-धप्पा होने लगता है।

(i) मानव किससे वंचित है?

(क) मूक भाषा से (ख) गुप्त शक्ति से

(ग) विचार-विमर्श से (घ) स्वतंत्रता से

(ii) दोनों मित्र कैसे बैठते थे?

(क) अलग-अलग (ख) दूर-दूर

(ग) आमने-सामने (घ) बाहर

(iii) दोनों मित्र मूक भाषा में क्या करते थे?

(क) असंतोष प्रकट करते थे (ख) घृणा प्रकट करते थे

(ग) संघर्ष के भाव प्रकट करते थे (घ) विचार-विमर्श करते थे

(iv) दोनों मित्र किस भाव से सींग मिलाते थे?

(क) आत्मीयता के भाव से (ख) शत्रुता के भाव से

(ग) स्वार्थ के भाव से (घ) लालच के भाव से

(v) दोनों मित्र अपनी मित्रता कैसे प्रकट करते थे?

(क) एक-दूसरे को चाटकर (ख) सूँघकर

(ग) सींग मिलाकर (घ) उपर्युक्त सभी

अथवा

धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। एक नई जीवन शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। उसके साथ एक नया जीवन-दर्शन उपभोक्तावाद का दर्शन आ रहा है। चारों तरफ उत्पादन बढ़ाने पर जोर है। यह उत्पादन आपके लिए है, आपके भोग के लिए है, आपके सुख के लिए है। 'सुख' की व्याख्या बदल गई है। उपभोग- भोग ही सुख है। एक सूक्ष्म बदलाव आया है नई स्थिति में। उत्पादन तो आपके लिए हैं। आप यह भूल जाते हैं कि जाने- अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।

(i) सुख की व्याख्या क्या है?

(क) उपभोग-भोग (ख) दिखावा संस्कृति

(ग) चारित्रिक बदलाव (घ) विज्ञापन दर्शन

(ii) धीरे-धीरे क्या बदल रहा है?

(क) लोगों की पसंद (ख) जीवन जीने का ढंग

(ग) सामाजिक प्रतिष्ठा (घ) विज्ञापन दर्शन

(iii) मनुष्य किसे समर्पित हो रहा है?

(क) परिवार को (ख) देश को

(ग) मित्र को (घ) उत्पाद को

(iv) जाने-अनजाने क्या बदल रहा है?

(क) समाज (ख) चरित्र

(ग) परिवेश (घ) राष्ट्र

(v) प्रस्तुत गद्यांश के लेखक का नाम क्या है?

(क) प्रेमचंद (ख) महादेवी वर्मा

(ग) श्यामाचरण दुबे (घ) राहुल सांकृत्यायन

(10) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : 2x5=10

(क) गाँधी जी ने उपभोक्ता संस्कृति को हमारे समाज के लिए चुनौती क्यों कहा है?

(ख) 'दो बैलों की कथा' में बैलों के माध्यम से कौन-कौन से नीति-विषयक मूल्य उभरकर आए हैं?

(ग) किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हें पक्षी प्रेमी बना दिया?

(घ) उस समय के तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण यात्रियों में किस प्रकार का भय बना रहता था?

(ङ) 'इतना तो हो ही गया कि नौ, दस प्राणियों की जान बच गई। वे सब तो आशीर्वाद देंगे' - मोती के इस कथन के आलोक में उसकी विशेषताएँ बताइए।

(11) निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+1+2=5

हँसमुख हरियाली हिम आतप
सुख से अलसाए-से सोए,
भीगी अँधियारी में निशि की
तारक स्वप्नों में से खोए -
मरकत डिब्बे-सा खुला ग्राम -
जिस पर नीलम नभ आच्छादन,
निरुपम हिमांत में स्निग्ध शांत
निज शोभा से हरता जन-मन।

(क) हरियाली को हँसमुख क्यों कहा गया है? **2**

(ख) 'मरकत डिब्बे-सा खुला ग्राम' में किस अलंकार का प्रयोग है? 1

(ग) भीगी हुई रात में सितारे किस प्रकार प्रतीत होते हैं? 2

अथवा

मानुष हौं तो वही रसखानि बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।

जौ पसु हौं तो कहा बस मेरो चरौं नित नंद की धेनु मँझारन।

पाहन हौ तो वही गिरि को जो कियो हरिछत्र पुरंदर धारन।

जौ खग हौ तो बसेरो करौं मिलि कालिंदि कूल कदंब की डारन॥

(क) कवि किस पर्वत का पत्थर बनना चाहता है और क्यों? 1

(ख) रसखान अगले जन्म में मनुष्य योनि में जन्म लेने पर कहाँ रहना चाहते हैं? 1

(ग) काव्यांश की अंतिम पंक्ति में किस अलंकार का प्रयोग किया गया है? 1

(घ) कवि की पशु रूप में जन्म लेने पर क्या इच्छा है? 1

(ङ) काव्यांश के कवि का नाम बताइए। 1

(12) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2x5=5

(क) कबीर ने ईश्वर को 'सब स्वाँसों की स्वाँस में' क्यों कहा है?

(ख) कवि ने गाँव को 'हरता जन-मन क्यों कहा है?

(ग) किस शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है और क्यों?

(घ) 'वाख' कविता में 'रस्सी' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है और वह कैसी है?

(ङ) 'कैदी और कोकिला' पाठ में हथकड़ियों को गहना क्यों कहा गया है?

(13) लेखिका ने अपनी नानी को कभी नहीं देखा फिर भी उनके व्यक्तित्व से वह क्यों प्रभावित थी? 5

अथवा

जब लेखक को यह अहसास हुआ कि उसके इलाके में भी पानी घुसने की संभावना है तो उसने क्या-क्या प्रबन्ध किए?

खण्ड- घ

(14) दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विष्य पर निबन्ध लिखिए : 10

(क) इंटरनेट की दुनिया

(विज्ञान के चमत्कार,इंटरनेट क्या है?,कंप्यूटर के साथ मेल सूचनाओं का जाल, लाभ,हानियाँ)

(ख) पेड़-पौधे और हमारा जीवन

(प्रकृति और मानव का अटूट सम्बन्ध, पेड़ - मित्र के रूप में, वनों का संरक्षण, पेड़ काटने के दुष्प्रिणाम, निष्कर्ष)

(ग) चरित्र - निर्माण में साहित्य का योगदान

(साहित्य का अर्थ, उपयोगिता, साहित्य का मार्गदर्शक रूप, साहित्य का अध्ययन क्यों?, सुझाव, निष्कर्ष)

(15) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए : 5

आपके विद्यालय में 'शिक्षक दिवस' मनाया गया। विद्यार्थियों ने ही कक्षाएँ लीं। सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा भोज हुआ। इसका वर्णन करते हुए अपनी बड़ी बहन को एक पत्र लिखिए।

अथवा

आपकी बोर्ड परीक्षाएँ चल रही हैं परन्तु आपके क्षेत्र में बिजली की कटौती अनियमित ढंग से की जा रही है। इसकी शिकायत करते हुए विद्युत - विभाग के अधिकारी को पत्र लिखिए।

(16) विद्यालय के वार्षिकोत्सव पर पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम पर एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए। 5

वार्षिकोत्सव समारोह	-	07 मई,2015
स्थान	-	के0वि0,कंकड़बाग,पटना
मुख्य अतिथि	-	जिलाधिकारी- अजीत कुमार
दीप प्रज्वलित	-	विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष
स्वागत भाषण	-	विद्यालय के प्राचार्य
धन्यवाद ज्ञापन	-	श्री लखन लाल सिंह
संचालक	-	डॉ0 अजीत कुमार(अध्यापक)

अंक योजना

एस0ए0-1,2015-16

कक्षा :9, हिन्दी(पाठ्यक्रम-अ)

खण्ड : 'क'

(1) अपठित गद्यांश ---1x5=5

(i) - (घ)

(ii) - (ग)

(iii) - (घ)

(iv) - (ग)

(v) - (ख)

(2) अपठित गद्यांश ---1x5=5

(i) - (क)

(ii) - (क)

(iii) - (ख) या कोई भी

(iv) - (क)

(v) - (ग)

(3) अपठित काव्यांश ---1x5=5

(i) - (ख)

(ii) - (घ)

(iii) - (क)

(iv) - (क)

(v) - (क)

(4) अपठित काव्यांश ---1x5=5

(i) - (ख)

(ii) - (ख)

(iii) - (ख)

(iv) - (क)

(v) - (ग)

खण्ड : 'ख'

(5) -- 1×4=4

(क) उपकार,उपदेश 1×4=4

(ख) सु

(ग) बचपन, लड़कपन

(घ) संसार+इक

(6) -- 1x3=3

(क) द्वंद्व समास

(ख) द्विगु समास

(ग) वचनामृत

(7) (i) -- 1x2=2

(क) विधानवाचाक

(ख) प्रश्नवाचाक

(ii)-- 1x2=2

(क) शायद सालिम ने उसका काम नहीं किया।

(ख) क्या! अलीशा गीत गा रही है।

(8) -- 1x4=4

(क) उत्प्रेक्षा अलंकार

(ख) अनुप्रास अलंकार

(ग) उपमा अलंकार

(घ) रूपक अलंकार

खण्ड : 'ग'

(9)-- 1x5=5

(i) - (क)

(ii) - (ग)

(iii) - (घ)

(iv) - (क)

(v) - (ग)

अथवा

(i) - (क)

(ii) - (ख)

(iii) - (घ)

(iv) - (ख)

(v) - (ग)

(10) --- 2x5=10

(क) उपभोक्ता संस्कृति के कारण हमारे अंदर दिखावे, आडंबर आदि की भावना पनप रही है।प्रतिष्ठा बनाने के लिए हम महँगे वस्त्रों, महँगी शिक्षा तथा आधुनिक महँगी चीज़ों की ओर भाग रहे हैं, जिसके लिए धन की आवश्यकता होती है। इसी कारण हम स्वार्थी होते जा रहे हैं। अत: यह समाज के लिए चुनौती है।

(ख) किसी भी व्यक्ति की सरलता और सीधेपन को उसकी मूर्खता नहीं समझना चाहिए।

हिंसक व्यक्ति के साथ हिंसा का व्यवहार सही नहीं है।

स्त्री के साथ मार-पीट करना नीच कार्य है।

संगठित होकर शक्तिशाली शत्रु को पराजित कर सकते हैं।

विपत्ति में मित्र का सदैव साथ देना चाहिए।

असहाय,विवश और पराजित शत्रु पर कभी वार नहीं करना चाहिए।

(ग) बचपन में सालिम अली की एअरगन से एक नीले कंठ की गौरेया घायल होकर गिर पड़ी थी। इस घटना ने उनके जीवन की दिशा बदल दी और वे पक्षी प्रेमी बन गए।

(घ) यात्रियों के मन में सदैव हत्या का भय बना रहता था। तिब्बती लोग हथियार लेकर चलते थे। डाकू भी किसी यात्री को पहले जान से मारते थे, उसके बाद उसकी तलाशी लेते थे।

(ङ) मोती में परोपकार की भावना कूट-कूटकर भरी हुई है। जब भी वह किसी पशु या मनुष्य को दीन-हीन दशा में देखता है,तब वह उनके संकट को दूर करने का प्रयास करता है।

(11) -- 2+1+2=5

(क) वसंत ऋतु में खेत खलिहानों में हरियाली छायी रहती है, जो मन को प्रसन्नता देने वाली होती है।

(ख) उपमा अलंकार

(ग) ओस के कारण भीगी हुई रात में आकाश के तारे इस प्रकार टिमटिमाते हैं जैसे स्वप्नों में खोए हुए हों।

अथवा --------------------------------- 1x5=5

(क) कवि गोवर्धन पर्वत का पत्थर बनना चाहता है क्योंकि इसे श्रीकृष्ण ने अपनी उँगली पर धारण किया था।

(ख) वह (कवि) गोकुल गाँव के ग्वालों के साथ रहना चाहते हैं क्योंकि उनके हृदय में श्रीकृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम है।

(ग) अनुप्रास अलंकार

(घ) कवि पशु के रूप में जन्म लेकर नंद की गायों के बीच चरना चाहता है।

(ङ) रसखान

(12) -- 2x5=10

(क) संसार ईश्वर की रचना है। सभी प्राणियों में आत्मा के रूप में परमात्मा विराजमान है। इसलिए कबीर ने ईश्वर को 'सब स्वाँसों की साँस' कहा है।

(ख) ग्रामीण क्षेत्रों की हरियाली मन को बहुत सुंदर लगती है। इसी कारण कवि ने गावँ को 'हरता जन- मन' कहा है।

(ग) ब्रिटिश शासन की तुलना तम अर्थात अंधकार के प्रभाव से की गई है क्योंकि ब्रिटिश शासक जनता के साथ न्यायपूर्ण शासन नहीं करते थे।

(घ) रस्सी शब्द 'सहारे' के लिए प्रयुक्त हुआ है। रस्सी कच्चे धागे की बनी होने के कारण कमज़ोर है अर्थात ईश्वर को प्राप्त करने के प्रयास सफल नहीं हो पा रहे हैं।

(ङ) जो देशभक्त अपने देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्षरत थे, वे अपराधी नहीं थे। वे वीर, साहसी तथा सम्माननीय थे। इसीलिए कवि ने हथकड़ियों को गहना कहा है।

(13) ---5 लेखिका की नानी परंपरागत रूप से अनपढ़ और परदा करने वाली स्त्री थीं। वे कभी भी अपने पति के रहन- सहन, तौर-तरीकों से प्रभावित नहीं हुईं। अपनी इच्छा-आकांक्षा को व्यक्त नहीं किया। वे अपनी ज़िंदगी अपने तरीके से जीती रहीं। उनके इस तरह स्वतंत्र जीवन जीने से ही लेखिका उनसे प्रभावित थीं।

अथवा

लेखक ने एक सप्ताह के लिए हिन्दी, बांग्ला तथा अंग्रेज़ी की पत्रिकाएँ खरीदीं। घर में गैस, कोयला,आलू तथा अन्य खाने - पीने की चीज़ों का प्रबंध किया। कम्पोज की गोलियों का भी प्रबंध किया।

खण्ड : 'घ'

(14) निबंध लेखन--10

भूमिका -- 2

विषय का विश्लेषण --4

भाषा-शैली --- 1
वर्तनी की शुद्धता ---1
निष्कर्ष -- 2
(15) पत्र लेखन ---5
औपचारिकताएँ ---1
विषय वस्तु --3
वर्तनी की शुद्धता --1
(16) प्रतिवेदन ---5
औपचारिकताएँ --1
विषय वस्तु --2
शैली ---1
समापन --1

अंक-विभाजन (BLUE PRINT)

कक्षा :9वीं

समय : 3 घंटे संकलित परीक्षा -1 (2015-16) पूर्णांक :90

हिन्दी (पाठ्यक्रम- अ)

विषय-वस्तु	बहुविकल्पी प्रश्न	अति लघूत्तरीय प्रश्न	लघूत्तरीय प्रश्न	दीर्घ उत्तरीय	अतिदीर्घ उत्तरीय	कुल अंक
अपठित गद्यांश	1(10)	_	_	_	_	10
अपठित पद्यांश	1(10)	_	_	_	_	10
उपसर्ग	-	1(2)	_	_	_	02
प्रत्यय समास	- -	1(2) 1(3)	_ -	_ -	_ -	02 03
वाक्यभेद(अर्थकीदृष्टि से) अलंकार	1 (4) 1(4)	- -	- -	- -	- -	04 04

क्षितिज,भाग-1	1(5)	1(5)	2(10)	_	_	30
कृतिका,भाग-2	_	_	_	5(1)		05
निबंध- लेखन	_	_	_	_	10(1)	10
पत्र- लेखन प्रतिवेदन	_ -	_ -	_ -	5(1) 5(1)	_ -	05 05
योग	1(30)	1(15)	2(10)	5(03)	10(1)	90

स्पष्टीकरण : 1(10) : ‘1’ अंक का एवं ‘10’ प्रश्न का सूचक है।

****

केन्द्रीय विद्यालय संगठन,

पटना संभाग

संकलित मूल्यांकन - प्रथम, **2015-16**

प्राप्तांकों का प्रश्नानुसार विश्लेषण

कक्षा **-9** वीं विषय - हिन्दी (पाठ्यक्रम-अ) पूर्णांक :90

छात्र का नाम - अनुक्रमांक -

प्रश्न संख्या	पाठ का नाम	पूर्णांक	प्राप्तांक	अभियुक्ति
1	अपठित गद्यांश	1x5=05		
2	अपठित गद्यांश	1x5=05		
3	अपठित काव्यांश	1x5=05		
4	अपठित काव्यांश	1x5=05		
5 6	उपसर्ग प्रत्यय समास	1x2=2 1x2=2 1x3=3		
7	वाक्य- भेद(अर्थकीदृष्टिसे)	1x4=4		
8	अलंकार	1x4=4		
9	पठित गद्यांश	1x5=5		

10	गद्य पाठों पर आधारित	2x5=10		
11	पठित काव्यांश अथवा	2+1+2=5/ 1x5=5		
12	काव्य पाठों पर आधारित प्रश्न	2x5=10		
13	कृतिका पर आधारित प्रश्न	05		
14	निबंध	10		
15	पत्र लेखन	05		
16	प्रतिवेदन	05		
	कुल	90		